अभ्यास पत्रक

पाठ: 4 - हरिद्वार

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) यह यात्रा-वर्णन किस लेखक द्वारा लिखा गया है?

(क) दुष्यंत कुमार (ख) भीष्म साहनी (ग) भारतेंदु हरिश्चंद्र (घ) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

(ii) लेखक ने हरिद्वार की भूमि को किनसे घिरा हुआ बताया है?

(क) नदियों से (ख) हरे-भरे पर्वतों से (ग) घने जंगलों से (घ) ऊँची इमारतों से

(iii) लेखक ने वृक्षों की तुलना किससे की है?

(क) तपस्या करते साधुओं से (ख) पहरा देते सैनिकों से

(ग) खेलते हुए बच्चों से (घ) सज्जनों के मनोरथों से

(iv) लेखक के अनुसार, गंगा जी की धारा किसकी कीर्ति-लता जैसी दिखाई देती है?

(क) राजा दक्ष की (ख) भगवान शिव की (ग) राजा भगीरथ की (घ) दीवान कृपा राम की

(v) मुख्य स्नान घाट का क्या नाम है?

(क) कुशावर्त्त घाट (ख) नील धारा घाट (ग) हरि की पैड़ी (घ) कनखल घाट

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) लेखक ने यह पत्र किस पत्रिका के संपादक को लिखा है?

उत्तर- .....

(ii) हरिद्वार में गंगा जी कितनी धाराओं में बँट गई हैं?

उत्तर- .....

(iii) चंडिका देवी की मूर्ति किस पर्वत के शिखर पर है?

उत्तर- .....

(iv) लेखक के अनुसार हरिद्वार में मुख्य देवता कौन हैं?

उत्तर- .....

(v) लेखक ने गंगा के जल की मिठास की तुलना किससे की है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) लेखक ने पेड़ों को सज्जन क्यों कहा है?

उत्तर- .....

.....

(ii) "यह भूमि साक्षात विरागमय साधुओं और विरक्तों के सेवन योग्य है।" - लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर- .....

.....

(iii) भारतेंदु हरिश्चंद्र के अनुसार यात्राएँ क्यों महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) पाठ के आधार पर हरिद्वार के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए, जिसमें पर्वतों, वृक्षों और गंगा नदी का उल्लेख हो।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ii) (ख) हरे-भरे पर्वतों से

(iii) (क) तपस्या करते साधुओं से

(iv) (ग) राजा भगीरथ की

(v) (ग) हरि की पैड़ी

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) लेखक ने यह पत्र 'कविवचन सुधा' पत्रिका के संपादक को लिखा है।

(ii) हरिद्वार में गंगा जी दो धाराओं (नील धारा और श्री गंगा जी) में बँट गई हैं।

(iii) चंडिका देवी की मूर्ति नील धारा के तट पर स्थित एक छोटे से पर्वत के शिखर पर है।

(iv) लेखक के अनुसार हरिद्वार में मुख्य देवता केवल गंगा जी ही हैं।

(v) लेखक ने गंगा के जल की मिठास की तुलना बर्फ में जमाए हुए चीनी के शर्बत (पने) से की है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) लेखक ने पेड़ों को सज्जन इसलिए कहा है क्योंकि जैसे सज्जन व्यक्ति बुराई करने वाले को भी भलाई देते हैं, उसी प्रकार पेड़ पत्थर मारने वाले को भी फल देते हैं।

(ii) लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि हरिद्वार का वातावरण अत्यंत निर्मल और शांत है। वहाँ पहुँचते ही मन में ज्ञान, वैराग्य और भक्ति का उदय होता है और झगड़े-लड़ाई का नामोनिशान भी नहीं है, जो साधुओं के निवास के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

(iii) भारतेंदु हरिश्चंद्र के अनुसार यात्राएँ महत्वपूर्ण हैं क्योंकि शिक्षा की पूर्ति केवल पुस्तकों से ही नहीं, बल्कि यात्राओं से भी होती है। यात्राओं से प्रकृति, इतिहास, संस्कृति और पुरातत्त्व का अध्ययन करने में सहायता मिलती है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) भारतेंदु हरिश्चंद्र के अनुसार हरिद्वार का प्राकृतिक सौंदर्य अवर्णनीय है। यह स्थान तीन ओर से सुंदर, हरे-भरे पर्वतों से घिरा है, जिन पर हरी-भरी लताएँ सज्जनों की इच्छाओं की तरह फैलकर लहलहा रही हैं। बड़े-बड़े वृक्ष ऐसे लगते हैं मानो एक पैर पर खड़े होकर तपस्या कर रहे हों। वर्षा के कारण चारों ओर ऐसी हरियाली है मानो यात्रियों के विश्राम के लिए हरा कालीन बिछा हो। एक ओर पवित्र गंगा नदी बहती है, जिसका जल अत्यंत शीतल और मीठा है। गंगा यहाँ दो धाराओं में बँट जाती है - नील धारा और गंगा। इन धाराओं के बीच में भी सुंदर पर्वत हैं। वृक्षों पर रंग-बिरंगे पक्षी बिना किसी डर के चहचहाते हैं। यह पूरा दृश्य मन को प्रसन्न और निर्मल कर देता है।